<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

सांची विश्वविद्यालय के 8 छात्र यूजीसी नेट में चयनित

4 छात्र योग, 2 हिंदी एवं 1-1 संस्कृत और बौद्ध अध्ययन का

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के 8 छात्र जून 2017 की यूजीसी नेट परीक्षा में चयनित हुए हैं। सांची विश्वविद्यालय के इन सभी 8 छात्रों ने नवंबर 2017 में नेट की परीक्षा दी थी। यह कामयाबी हासिल करने वाले छात्रों में से चार योग विभाग के छात्र हैं जबकि दो हिंदी के तथा एक संस्कृत और एक बौद्ध अध्ययन विभाग का है। नेट यानी नेशनल एलीजीबिलिटी टेस्ट में चयनित होने पर कोई भी छात्र/शोधार्थी विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज स्तर पर असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए पात्र हो जाता है।

नेट परीक्षा में कामयाब होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रोफेसर याज्ञेश्वर शास्त्री ने इन छात्रों को बधाई दी। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय में एम.फिल और पी.एच.डी के पाठ्यक्रमों के प्राध्यापकों को दिया है। इन छात्रों का कहना है कि प्राध्यापकों द्वारा दोनों ही पाठ्यक्रमों के दौरान ही उन उन्हें नेट की परीक्षा की तैयारी की प्रेरणा दी जाती रही। पिछले साल भी सांची विश्वविद्यालय से 3 छात्रों ने यूजीसी नेट की परीक्षा में सफलता हासिल की थी।

सांची विश्वविद्यालय पी.एच.डी करने वाले प्रत्येक छात्र को प्रतिमाह 14 हज़ार रुपए एवं एम.फिल करने वाले प्रत्येक छात्र को 8 हज़ार रुपए की स्कॉलरशिप देता है तथा नेट जैसी परीक्षाओं के लिए विशेष अध्ययन क्लासेस भी आयोजित करता है।

इस साल जिन छात्रों का चयन यूजीसी नेट में हुआ है उनकी सूची निम्नानुसार है-

क्र.	नाम	विभाग
1.	रोशन कुमार भारती	एम.फिल(योग)
2.	भानू प्रताप बुंदेला	एम.फिल(योग)
3.	बृजेश नामदेव	एम.एस.सी(योग)
4.	धनंजय कुमार जैन	पी.एच.डी(योग)
5.	अनीश कुमार	पी.एच.डी(हिंदी)
6.	कपिल कुमार गौतम	एम.फिल(हिंदी)
7.	आशीष आर्य	पी.एच.डी(संस्कृत)
8.	लेखराम सेलोकर	पी.एच.डी(बौद्ध अध्ययन)

पत्रिकाPLUS.14 Bhopal . Thursday. 04/01/2018

सांची विवि के 8 छात्रों का यूजीसी नेट में चयन

भोपाल ● यूजीसी की ओर से नवंबर माह में आयोजित की गई नेट परीक्षा में सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के 8 छात्रों का चयन हुआ है। यह कामयाबी हासिल करने वाले छात्रों में रोशन कुमार भारती, भानू प्रताप बुंदेला, बृजेश नामदेव और धनंजय कुमार जैन योग विभाग से हैं। हिंदी विभाग के अनीश कुमार और कपिल कुमार गौतम का चयन हुआ। वहीं संस्कृत विभाग के आशीष आर्य और बौद्ध अध्ययन विभाग के लेखराम सोलोकर का भी चयन हुआ। नेट परीक्षा में कामयाब होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रोफेसर याज्ञेश्वर शास्त्री ने इन छात्रों को बधाई दी। सांची बौद्ध विवि के छात्रों ने भी अपनी सफलता का श्रेय एम.फिल और पीएचडी के पाठ्यक्रमों के प्राध्यापकों को दिया है।

city भास्कर

BHOPAL, THURSDAY, 04/01/2018

Result Open

शहर के 60 स्टूडेंट्स ने किया क्वालीफाई

यूजीसी नेट-2017 का रिजल्ट हुआ घोषित

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने यूजीसी नेट 2017 का रिजल्ट घोषित कर दिया है। यह परीक्षा 5 नवंबर देशभर में आयोजित हुई थी। सीबीएसई की ऑफिशल वेबसाइट cbsenet.nic.in पर रिजल्ट मंगलवार देर रात को अपलोड किया गया। जूनियर रिसर्च फेलोशिप पाने और यूनिवर्सिटीज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर काम करने के लिए देशभर से इस बार 9 लाख 30 हजार कैंडीडेट्स इस परीक्षा में अपीयर हुए थे।

भोपाल में भी यूजीसी नेट क्वालिफाई करने वाले स्टूडेंट्स की संख्या इस बार अच्छी रही। शहर के करीब 60 स्टूडेंट्स ने इस बार नेट क्वालिफाई किया। अंकिता यादव ने जियोग्राफी विषय से नेट क्लीयर किया, वहीं भास्कर इंद्रकांति ने मैनेजमेंट से। सांची यूनिवर्सिटी के 8 स्टूडेंट्स ने भी अलग-अलग सब्जेक्ट्स में नेट एग्जाम पास किया। इनमें योग विषय से एमफिल कर रहे रोशन कुमार भारती, भानू प्रताप बुंदेला, योग से एमएससी कर रहे बृजेश नामदेव, पीएचडी कर रहे धनंजय कुमार जैन, हिंदी से पीएचडी कर रहे अनीश कुमार, एमफिल कर रहे कपिल कुमार गौतम, संस्कृत से पीएचडी कर रहे आशीष आर्य और बौद्ध स्टडीज से पीएचडी कर रहे लेखराम सेलोकर शामिल हैं। यूजीसी नेट इस बार 91 शहरों के 1700 सेंटर्स पर आयोजित की गई थी। 5 नवंबर को हुए एग्जाम के बाद दिसंबर में इसकी आंसर की जारी कर दी गई थी।

नई सोच, नया अंदाज
नवदुनिया
भोपाल, गुरुवार 04 जनवरी 2018

सांची विश्वविद्यालय के 8 छात्रों का यूजीसी नेट में चयन

रायसेन। यूजीसी नेट में चयनित छात्र।

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के 8 छात्र जून 2017 की यूजीसी नेट परीक्षा में चयनित हुए हैं। सांची विश्वविद्यालय के इन सभी 8 छात्रों ने नवंबर 2017 में नेट की परीक्षा दी थी। यह कामयाबी हासिल करने वाले छात्रों में से चार योग विभाग के छात्र हैं जबकि दो हिंदी के तथा एक संस्कृत और एक बौद्ध अध्ययन विभाग का है। नेट यानी नेशनल एलीजीबिलिटी टेस्ट में चयनित होने पर कोई भी छात्र शोधार्थी विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज स्तर पर असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए पात्र हो जाता है।

नेट परीक्षा में कामयाब होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रोफेसर याज्ञेश्वर शास्त्री ने इन छात्रों को बधाई दी। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय में एमफिल और पीएचडी के पाठ्यक्रमों के प्राध्यापकों को दिया है। इन छात्रों का कहना है कि प्राध्यापकों द्वारा दोनों ही पाठ्यक्रमों के दौरान ही उन उन्हें नेट की परीक्षा की तैयारी की प्रेरणा दी जाती रही। पिछले साल भी सांची विश्वविद्यालय से 3 छात्रों ने यूजीसी नेट की परीक्षा में सफलता हासिल की थी। सांची विश्वविद्यालय पीएचडी करने वाले प्रत्येक छात्र को प्रतिमाह 14 हजार रुपए एवं एमफिल करने वाले प्रत्येक छात्र को 8 हजार रुपए की स्कॉलरशिप देता है तथा नेट जैसी परीक्षाओं के लिए विशेष अध्ययन क्लासेस भी आयोजित करता है।

दैनिक जागरण
04 जनवरी, 2018

सांची विश्वविद्यालय के 8 छात्र यूजीसी नेट में चयनित

जागरण रिपोर्टर

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के 8 छात्र जून 2017 की यूजीसी नेट परीक्षा में चयनित हुए हैं। सांची विश्वविद्यालय के इन सभी 8 छात्रों ने नवंबर 2017 में नेट की परीक्षा दी थी। यह कामयाबी हासिल करने वाले छात्रों में से चार योग विभाग के छात्र हैं, जबकि दो हिंदी के तथा एक संस्कृत और एक बौद्ध अध्ययन विभाग का है। नेट यानी नेशनल एलीजीबिलिटी टेस्ट में चयनित होने पर कोई भी छात्र/शोधार्थी विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज स्तर पर असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए पात्र हो जाता है। नेट परीक्षा में कामयाब होने पर विश्वविद्यालय के

कुलपति आचार्य प्रोफेसर याज्ञेश्वर शास्त्री ने इन छात्रों को बधाई दी। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय में एम.फिल और पी.एच.डी के पाठ्यक्रमों के प्राध्यापकों को दिया है। इन छात्रों का कहना है कि प्राध्यापकों द्वारा दोनों ही पाठ्यक्रमों के दौरान ही उन उन्हें नेट की परीक्षा की तैयारी की प्रेरणा दी जाती रही। पिछले साल भी सांची विश्वविद्यालय से 3 छात्रों ने यूजीसी नेट की परीक्षा में सफलता हासिल की थी।

छात्रों के नाम

रोशन कुमार भारती, भानू प्रताप बुंदेला, बृजेश नामदेव एम.फिल(योग) धनंजय कुमार जैन पी.एच.डी(योग), अनीश कुमार, पी.एच.डी(हिंदी), कपिल कुमार गौतम एम.फिल(हिंदी), आशीष आर्य, पी.एच.डी(संस्कृत) और लेखराम सेलोकर पी.एच.डी (बौद्ध अध्ययन)।

दैनिक जागरण रायसेन
भोपाल, 5 जनवरी 2018
www.jagranmp.com/epaper
04

8 छात्रों का यूजीसी नेट में चयन

जागरण, रायसेन

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के 8 छात्र जून 2017 की यूजीसी नेट परीक्षा में चयनित हुए हैं। सांची विश्वविद्यालय के इन सभी 8 छात्रों ने नवंबर 2017 में नेट की परीक्षा दी थी। यह कामयाबी हासिल करने वाले छात्रों में से चार योग विभाग के छात्र हैं, जबकि दो हिंदी के तथा एक संस्कृत और एक बौद्ध अध्ययन विभाग का है। नेट यानी नेशनल एलीजीबिलिटी टेस्ट में चयनित होने पर कोई भी छात्र/शोधार्थी विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज स्तर पर असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए पात्र हो जाता है नेट परीक्षा में कामयाब होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रोफेसर यज्ञेश्वर शास्त्री ने इन छात्रों को बधाई दी। सांची बौद्ध.भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय में एमफिल और पीएचडी के पाठ्यक्रमों के प्राध्यापकों को दिया है। पिछले साल भी सांची विश्वविद्यालय से 3 छात्रों ने यूजीसी नेट की परीक्षा में सफलता हासिल की थी। सांची विश्वविद्यालय पीएचडी करने वाले प्रत्येक छात्र को प्रतिमाह 14 हजार रुपए एवं एमफिल करने वाले प्रत्येक छात्र को 8 हजार रुपए की स्कॉलरशिप देता है तथा नेट जैसी परीक्षाओं के लिए विशेष अध्ययन क्लासेस आयोजित करता है।

इन छात्रों का हुआ यूजीसी नेट में चयन

जिन छात्रों का यूजीसी नेट में चयन हुआ है, उनमें रोशन कुमार भारती एमफिल योग, भानू प्रताप बुंदेला एमफिल योग, बृजेश नामदेव एमएससी योग, धनंजय कुमार जैन पीएचडी योग, अनीश कुमार पीएचडी हिंदी, कपिल कुमार गौतम एमफिल हिंदी, आशीष आर्य पीएचडी संस्कृत एवं लेखराम सेलोकर पीएचडी बौद्ध अध्ययन।

रायसेन भास्कर
भोपाल, गुरुवार 04 जनवरी, 2018 | 16

सांची विवि के 8 छात्रों ने पास की यूजीसी नेट की परीक्षा, इनमें से 4 योग विभाग के

2 हिंदी एवं संस्कृत और बौद्ध अध्ययन के 1-1 छात्र का हुआ चयन

भास्कर संवाददाता | रायसेन

इन आठ छात्रों का यूजीसी नेट परीक्षा में हुआ चयन।

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के 8 छात्र जून 2017 की यूजीसी नेट परीक्षा में चयनित हुए हैं। सांची विवि के इन सभी 8 छात्रों ने नवंबर 2017 में नेट (नेशनल एलीजीबिलिटी टेस्ट) की परीक्षा दी थी।

यह कामयाबी हासिल करने वाले छात्रों में से चार योग विभाग के छात्र हैं जबकि दो हिंदी और एक संस्कृत और एक बौद्ध अध्ययन विभाग में अध्ययनरत है,जिसमें विश्वविद्यालय के एमफिल योग के छात्र रोशन कुमार भारती, भानू प्रताप बुंदेला एमफिल योग, बृजेश नामदेव एमएससी योग, धनंजय कुमार जैन पीएचडी योग, अनीश कुमार पीएचडी हिन्दी, कपिल कुमार गौतम एमफिल हिन्दी, आशीष आर्य पीएचडी संस्कृत, लेखराम सेलोकर पीएचडी बौद्ध अध्ययन शामिल हैं। नेट यानी नेशनल एलीजीबिलिटी टेस्ट में चयनित होने पर कोई भी छात्र-शोधार्थी विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज स्तर पर असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए पात्र हो जाता है।

सांची बौद्ध विवि के कुलपति आचार्य प्रोफेसर यज्ञेश्वर शास्त्री ने बताया कि विवि के 8 छात्रों का नेट परीक्षा में कामयाब होना बड़ी बात है। वे उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि के चयनित छात्रों का कहना है कि विवि के प्राध्यापकों द्वारा कराए गए विशेष अध्ययन के परिणाम स्वरूप ही उनका नेट के लिए चयन हो पाया है। इन छात्रों का कहना है कि प्राध्यापकों द्वारा दोनों ही पाठ्यक्रमों के दौरान ही उन्हें नेट की परीक्षा की तैयारी की प्रेरणा दी जाती रही।

8 छात्रों का यूजीसी नेट में चयन

रायसेन @ पत्रिका. सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के 8 छात्र जून 2017 की यूजीसी नेट परीक्षा में चयनित हुए हैं। इन सभी छात्रों ने नवंबर 2017 में नेट की परीक्षा दी थी। यह कामयाबी हासिल करने वाले छात्रों में से चार योग विभाग के छात्र हैं, जबकि दो हिंदी के तथा एक संस्कृत और एक बौद्ध अध्ययन विभाग का है। नेशनल एलीजीबिलिटी टेस्ट में चयनित होने पर कोई भी छात्र शोधार्थी विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज स्तर पर असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए पात्र हो जाता है।

छात्रों की सफलता पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रोफेसर याज्ञेश्वर शास्त्री ने बधाई दी। छात्रों ने भी अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय में एमफिल और पीएचडी के पाठ्यक्रमों के प्राध्यापकों को दिया है। छात्रों का कहना है कि प्राध्यापकों द्वारा दोनों ही पाठ्यक्रमों के दौरान ही उन उन्हें नेट की परीक्षा की तैयारी की प्रेरणा दी जाती रही। पिछले साल भी सांची विश्वविद्यालय से 3 छात्रों ने यूजीसी नेट की परीक्षा में सफलता हासिल की थी। चयनित छात्रों में रोशन कुमार भारती, भानू प्रताप बुंदेला, बृजेश नामदेव, धनंजय कुमार जैन, अनीश कुमार, कपिल कुमार गौतम, आशीष आर्य तथा लेखराम सेलोकर शामिल हैं।

ब्रीफ टुडे

सांची विश्वविद्यालय के 8 छात्र यूजीसी नेट में चयनित

रायसेन। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के 8 छात्र जून, 2017 की यूजीसी नेट परीक्षा में चयनित हुए हैं। सांची विश्वविद्यालय के इन सभी 8 छात्रों ने नवंबर, 2017 में नेट की परीक्षा दी थी। यह कामयाबी हासिल करने वाले छात्रों में से चार योग विभाग के छात्र हैं जबकि दो हिंदी के तथा एक संस्कृत और एक बौद्ध अध्ययन विभाग का है। नेट परीक्षा में कामयाब होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रोफेसर यज्ञेश्वर शास्त्री ने इन छात्रों को बधाई दी। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय में एमफिल और पीएचडी के पाठ्यक्रमों के प्राध्यापकों को दिया है।

राज एक्सप्रेस

गुरुवार, 4 जनवरी, 2018
www.rajexpress.in

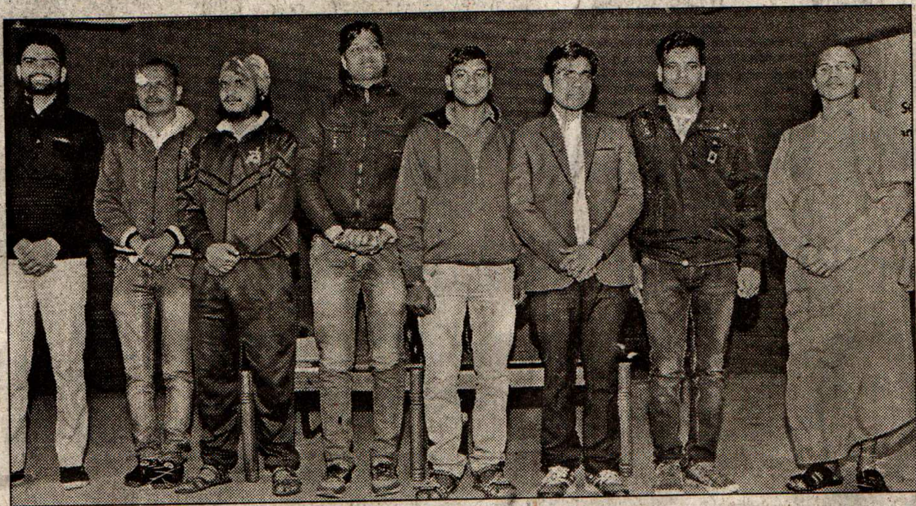

सांची विश्वविद्यालय के 8 छात्र यूजीसी नेट में चयनित

भोपाल (आरएनएन)। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के 8 छात्र जून 2017 की यूजीसी नेट परीक्षा में चयनित हुए हैं। सांची विश्वविद्यालय के इन सभी 8 छात्रों ने नवंबर 2017 में नेट की परीक्षा दी थी। यह कामयाबी हासिल करने वाले छात्रों में से चार योग विभाग के छात्र हैं जबकि दो हिंदी के तथा एक संस्कृत और एक बौद्ध अध्ययन विभाग का है। नेट यानी नेशनल एलीजीबिलिटी टेस्ट में चयनित होने पर कोई भी छात्र शोधार्थी विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज स्तर पर असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए पात्र हो जाता है। नेट परीक्षा में कामयाब होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रोफेसर याज्ञेश्वर शास्त्री ने इन छात्रों को बधाई दी। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय में एमफिल और पीएचडी के पाठ्यक्रमों के प्राध्यापकों को दिया है। इन छात्रों का कहना है कि प्राध्यापकों द्वारा दोनों ही पाठ्यक्रमों के दौरान उन्हें नेट की परीक्षा की तैयारी की प्रेरणा दी जाती रही। पिछले साल भी सांची विश्वविद्यालय से 3 छात्रों ने यूजीसी नेट की परीक्षा में सफलता हासिल की थी। सांची विश्वविद्यालय पीएचडी करने वाले प्रत्येक छात्र को प्रतिमाह 14 हज़ार रुपए एवं एमफिल करने वाले प्रत्येक छात्र को 8 हज़ार रुपए की स्कॉलरशिप देता है।

इन छात्रों का चयन

रोशन कुमार भारती,भानू प्रताप बुंदेला,बृजेश नामदेव ,धनंजय कुमार जैन , अनीश कुमार ,कपिल कुमार गौतम ,आशीष आर्य चण्डी और लेखराम सेलोकर।

सांची विश्वविद्यालय के आठ छात्र यूजीसी नेट में चयनित

रायसेन, 3 जनवरी। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के 8 छात्र जून 2017 की यूजीसी नेट परीक्षा में चयनित हुए हैं। सांची विश्वविद्यालय के इन सभी 8 छात्रों ने नवंबर 2017 में नेट की परीक्षा दी थी। यह कामयाबी हासिल करने वाले छात्रों में से चार योग विभाग के छात्र हैं जबकि दो हिंदी के तथा एक संस्कृत और एक बौद्ध अध्ययन विभाग का है। नेट यानी नेशनल एलीजीबिलिटी टेस्ट में चयनित होने पर कोई भी छात्र शोधार्थी विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज स्तर पर असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर

4 छात्र योग, 2 हिंदी एवं 1-1 संस्कृत-बौद्ध अध्ययन का

चयन के लिए पात्र हो जाता है। नेट परीक्षा में कामयाव होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रोफेसर याज्ञेश्वर शास्त्री ने इन छात्रों को बधाई दी। इन छात्रों का कहना है कि प्राध्यापकों द्वारा दोनों ही पाठ्यक्रमों के दौरान ही उन उन्हें नेट की परीक्षा की तैयारी की प्रेरणा दी जाती रही। पिछले साल भी सांची विश्वविद्यालय से 3 छात्रों ने यूजीसी नेट की परीक्षा में सफलता हासिल की थी। सांची विश्वविद्यालय पीएचडी करने वाले प्रत्येक छात्र को प्रतिमाह 14 हज़ार रुपए एवं एमफल करने वाले प्रत्येक छात्र को 8 हज़ार रुपए की स्कॉलरशिप देता है तथा नेट जैसी परीक्षाओं के लिए विशेष अध्ययन क्लासेस भी आयोजित करता है।

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

आदि शंकराचार्य की एकात्म यात्रा पर परिचर्चा

'निष्काम कर्म योग से ही भारत राष्ट्रीय सूत्र में बंधा'
'आदि शंकराचार्य ने जातिवाद के विरुद्ध प्रखर स्वर उठाए'
'शास्त्र रचना का रूप ही आदि शंकराचार्य ने दिया था'

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में बुधवार को ''जगतगुरु आदि शंकराचार्य जी और एकात्म यात्रा'' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के बारला स्थित अकादमिक परिसर में परिचर्चा के दौरान सहायक प्राध्यापक श्री विश्व बंधु ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने निष्काम कर्म योग के माध्यम से भारत को राष्ट्रीय सूत्र में बांधने का प्रयास किया।

उनका कहना था कि जगदगुरु आदि शंकराचार्य के प्रयासों से ही भारत सांस्कृतिक सूत्र में एक रूप हो सका। श्री विश्वबंधु का कहना था कि आदि शंकराचार्य ने भारतीय ज्ञान परंपरा को अद्वैतवाद के तत्व द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध करते हुए जातिवाद के विरुद्ध प्रखर स्वर उठाए।

सहायक प्राध्यापक श्री नवीन दीक्षित ने कहा कि समाज के बांटने वाली शक्तियां भगवान बुद्ध और आदि शंकराचार्य को एक दूसरे के विरोधी की तरह चित्रित करती हैं जबकि दोनों की ही शिक्षाएं पूर्ण रूप से एकात्म होने का संदेश देती हैं।

परिचर्चा का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सह प्राध्यापक श्री नवीन मेहता ने कहा कि शास्त्र रचना का स्वरूप किस तरह का होना चाहिए यह आदि शंकराचार्य ने ही सर्वप्रथम बताया था।

एकात्म यात्रा मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 19 दिसंबर 2017 से 22 जनवरी 2018 तक की जा रही है। इस यात्रा का समापन 22 जनवरी को ओंकारेश्वर में होगा। इस यात्रा के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान संपूर्ण राष्ट्र को एक संस्कृति में एकात्म करने का प्रयास कर रहे हैं। इस यात्रा के ज़रिए भारत की भाषिक और शारीरिक विविधता के साथ-साथ विचार को एकात्म किये जाने के प्रयास हैं।

दैनिक जागरण
18 जनवरी, 2018

निष्काम कर्म योग से ही भारत राष्ट्रीय सूत्र में बंधा

आदि शंकराचार्य की एकात्म यात्रा पर परिचर्चा

शास्त्र रचना का रूप ही आदि शंकराचार्य ने दिया था

● जागरण सिटी रिपोर्टर ●

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में बुधवार को 'जगतगुरु आदि शंकराचार्य जी और एकात्म यात्रा' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। विश्वनविद्यालय के बारला स्थित अकादमिक परिसर में परिचर्चा के दौरान सहायक प्राध्यापक विश्व बंधु ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने निष्काम कर्म योग के माध्यम से भारत को राष्ट्रीय सूत्र में बांधने का प्रयास किया। उनका कहना था कि जगदगुरु आदि शंकराचार्य के प्रयासों से ही भारत सांस्कृतिक सूत्र में एक रूप हो सका। श्री विश्वबंधु का कहना था कि आदि शंकराचार्य ने भारतीय ज्ञान परंपरा को अद्वैतवाद के तत्व द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध करते हुए जातिवाद के विरुद्ध प्रखर स्वर उठाए।

सहायक प्राध्यापक नवीन दीक्षित ने कहा कि समाज के बांटने वाली शक्तियां भगवान बुद्ध और आदि शंकराचार्य को एक-दूसरे के विरोधी की तरह चित्रित करती हैं जबकि दोनों की ही शिक्षाएं पूर्ण रूप से एकात्म होने का संदेश देती हैं।

परिचर्चा का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सह प्राध्यापक नवीन मेहता ने कहा कि शास्त्र रचना का स्वरूप किस तरह का होना चाहिए यह आदि शंकराचार्य ने ही सर्वप्रथम बताया था। गौरतलब है कि एकात्म यात्रा मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 19 दिसंबर 2017 से 22 जनवरी 2018 तक की जा रही है। इस यात्रा का समापन 22 जनवरी को ओंकारेश्वार में होगा। इस यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान संपूर्ण प्रदेश को एक संस्कृति में एकात्म करने का प्रयास कर रहे हैं। इस यात्रा के जरिए भारत की भाषिक और शारीरिक विविधता के साथ-साथ विचार को एकात्म किये जाने के प्रयास हैं।

पत्रिकाPLUS.16 Bhopal . Thursday . 18/01/2018

निष्काम कर्म योग से भारत राष्ट्रीय सूत्र में बंधा

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में शंकराचार्य की एकात्म यात्रा पर परिचर्चा

भोपाल ● सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में बुधवार को 'आदि शंकराचार्य और एकात्म यात्रा' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। विश्ववविद्यालय के बारला स्थित अकादमिक परिसर में परिचर्चा के दौरान सहायक प्राध्यापक विश्व बंधु ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने निष्काम कर्म योग के माध्यम से भारत को राष्ट्रीय सूत्र में बांधने का प्रयास किया।

उनका कहना था कि आदि शंकराचार्य के प्रयासों से ही भारत सांस्कृतिक सूत्र में बंधा और एक बना। आदि शंकराचार्य ने भारतीय ज्ञान परंपरा को अद्वैतवाद के तत्व द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध करते हुए जातिवाद के विरुद्ध प्रखर स्वर उठाए। वहीं, सहायक प्राध्यापक नवीन दीक्षित ने कहा कि समाज के बांटने वाली शक्तियां भगवान बुद्ध और आदि शंकराचार्य को एक दूसरे के विरोधी की तरह चित्रित करती हैं जबकि दोनों की ही शिक्षाएं पूर्ण रूप से एकात्म होने का संदेश देती हैं।

गुरुवार, 18 जनवरी, 2018

राज एक्सप्रेस

एकात्म यात्रा पर परिचर्चा

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में बुधवार को जगतगुरु आदि शंकराचार्य जी और एकात्म यात्रा विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के बारला स्थित अकादमिक परिसर में परिचर्चा के दौरान सहायक प्राध्यापक विश्व बंधु ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने निष्काम कर्म योग के माध्यम से भारत को राष्ट्रीय सूत्र में बांधने का प्रयास किया। उनका कहना था कि जगदगुरु आदि शंकराचार्य के प्रयासों से ही भारत सांस्कृतिक सूत्र में एक रूप हो सका। आदि शंकराचार्य ने भारतीय ज्ञान परंपरा को अद्वैतवाद के तत्व द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध करते हुए जातिवाद के विरुद्ध प्रखर स्वर उठाए। सहायक प्राध्यापक नवीन दीक्षित ने कहा कि समाज के बांटने वाली शक्तियां भगवान बुद्ध और आदि शंकराचार्य को एक दूसरे के विरोधी की तरह चित्रित करती हैं जबकि दोनों की ही शिक्षाएं पूर्ण रूप से एकात्म होने का संदेश देती हैं।